पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.)
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
दिनांक 14 जनवरी, 2020

विषय: 15 जनवरी 2020 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ रोड, नई दिल्ली में भारत मौसम विज्ञान विभाग के 145$^{वें}$ स्थापना दिवस समारोह का आयोजन।

भारत मौसम विज्ञान विभाग 15 जनवरी 2020 को 145$^{वां}$ स्थापना दिवस मना रहा है और इस समारोह का आयोजन डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15, जनपथ रोड, नई दिल्ली में 1500 से 1700 बजे भारतीय मानक समय (IST) के दौरान किया जाएगा। 1875 में एक छोटी शुरुआत के साथ, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने समाज की सेवा करने के लिए विभिन्न मील के पत्थर और प्रतिमानों के साथ आगे बढ़ता रहा। हाल के वर्षों के दौरान भारत मौसम विज्ञान विभाग की पहल और उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त जानकारी नीचे दी गई है।

हाल की उपलब्धियां

अवलोकन

• **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)** ने **भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के 5 वेधशालाओं - चेन्नई (नुंगमबक्कम), मुंबई (कोलाबा), पंजिम, पुणे और तिरुवनंतपुरम** को 100 से अधिक वर्षों के लिए एक दीर्घकालिक प्रेक्षण स्टेशन के रूप में मान्यता दी है।

• पूरे देश में **27 डॉप्लर मौसम रडार** चालू हैं, उनमें से एक पोर्टेबल डी डब्ल्यू आर सोनमर्ग, जम्मू और कश्मीर में है जो श्री अमरनाथजी यात्रा के लिए है।

• 2019 में **13 रेडियो सॉडे / रेडियो विंड** स्टेशनों को चालू किया गया, जिससे इनकी कुल संख्या 43 से बढ़कर 56 हो गई है, जहाँ दिन में दो बार एसेंट लिए जाते हैं।

• तीन (3) **ट्रान्समिसोमीटर- RVR (Drishti System)** कोच्चि, त्रिवेंद्रम और भुवनेश्वर में स्थापित किया गया है, जिससे ट्रान्समिसोमीटर RVR (Drishti System) की कुल संख्या 44 हो गई है ।

• **वास्तविक समय पर वर्षा के आँकड़ों** की प्राप्ति 681 से बढ़ाकर 683 जिलों तक की गई।

• **RCS-UDAN योजना** के तहत नए वैमानिकी मौसम केंद्रों को चालू किया गया।

• जिला-वार वर्षा निगरानी योजना (DRMS) में 341 **नए वर्षामापी स्टेशनों** को जोड़ा गया है।

• मौजूदा 130 इकाइयों के अलावा 138 **जिला कृषि मौसम विज्ञान इकाइयां** स्थापित की गई हैं।

• रुड़की, भुवनेश्वर, जी उदयगिरि, पूसा और अगवानपुर के पाँच (5) **एएमएफयू** में कृषि मौसम वेधशालाएं स्थापित की गई हैं, इस प्रकार इनकी कुल संख्या 122 हो गई है।

• 1 अक्टूबर, 2019 से सभी सतह वेधशालाओं को **मासिक मौसम रजिस्टर (MMR)** ऑनलाइन तैयार करने योग्य बनाया गया।

• वायु प्रदूषण अनुभाग, आईएमडी ने **विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के 60 और 61 वें** प्रयोगशाला अंतर-तुलनात्मक कार्यक्रम में भाग लिया।

मॉडलिंग और पूर्वानुमान

• 14 फरवरी, 2019 को कृषि विश्वविद्यालय (UAS) धारवाड़ (कर्नाटक) में **भारत मौसम विज्ञान विभाग के उत्तर कर्नाटक कृषि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NKAFC)** की स्थापना की गई।

• **ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम (GFS)** मॉडल अपग्रेड किया गया और 10 दिनों के पूर्वानुमान को तैयार करने के लिए इसे दिन में 2 बार से बढ़ाकर 4 बार चलाया गया।

• क्षेत्रीय **डब्ल्यू आर एफ (WRF)** मेसोस्केल मॉडल को **9 किमी से 3 किमी के रिज़ॉल्यूशन** में अपग्रेड किया गया

• **तूफान डब्ल्यूआरएफ** को **INCOIS** के सहयोग से **2 किमी के रिजॉल्यूशन** पर एक युग्मित मॉडल के रूप में चलाया गया था।

• एनडब्ल्यूपी मॉडल आधारित ग्रिडेड वर्षा डेटा (डब्ल्यूआरएफ एंड जीएफएस) परिचालन रूप से **सीडब्ल्यूसी को उनके बाढ़ पूर्वानुमान मॉडल** के लिए प्रदान किया जाता है।

• **SWIRL एप्लीकेशन नाउकास्टिंग सॉफ्टवेयर** 12 डी डब्ल्यू आर स्टेशनों पर स्थापित किया गया है।

• भारत मौसम विज्ञान विभाग ने NCMRWF और IITM के सहयोग से थंडरस्टॉर्म और **लाइटनिंग मॉडलिंग और चेतावनी प्रणाली** लागू किया है।

• **गंभीर रूप से प्रभावित** करने वाली विभिन्न मौसम की घटनाओं के लिए **पूर्वानुमान** शुरू किए।

• खराब मौसम की तीन-तीन घंटे के अंतराल पर **तात्कालिक चेतावनी जारी करने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग की नई वेबसाइट के तात्कालिक चेतावनी पेज** में दो सौ इकसठ (261) और स्टेशनों को जोड़ा गया, इस प्रकार यह संख्या बढ़कर 694 हो गई है।

- शहर के अंदर 100 स्थानों के लिए स्थानीय पूर्वानुमान और तत्काल पूर्वानुमान शुरू किया गया है ।

संचार प्रणाली नेटवर्क

• भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपनी **नई वेबसाइट** www.mausam.imd.gov.in और कृषि मौसम परामर्शी सेवाओं के लिए मोबाइल ऐप **'MEGHDOOT'** का आरंभ आम जनता के लिए किया है ।

• IITM के साथ मिलकर एक **वेबपेज, वेब एप्लिकेशन और मोबाइल एप्लिकेशन** वर्तमान मौसम की जानकारी के साथ 2019 के दौरान **कुंभ मेले** के लिए **मौसम का पूर्वानुमान** प्रदान करने के लिए विकसित किया गया है।

• **दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता की आरंभिक चेतावनी प्रणाली** की नई वेबसाइट 2019 के दौरान लॉन्च की गई है।

• **डेटा सप्लाई पोर्टल, http://dsp.imdpune.gov.in** को डेटा की पूछताछ, पुनर्प्राप्ति और आपूर्ति से संबंधित गतिविधियों की स्वत: जानकारी प्राप्त करने के लिए चालू किया गया है।

• नए वेब पेज INSAT-3D और INSAT-3DR के लिए स्टैजर मोड में चालू कर दिया गया।

• पुराने DATEN9 सॉफ्टवेयर को बदलने के लिए 8 अगस्त, 2019 को एक वेब-आधारित **केंद्रीकृत डेटा एंट्री सिस्टम (CDES)** पैकेज लॉन्च किया गया था। वर्तमान में, 91 सतह स्टेशनों, 40 हवाई अड्डों और 11 पवन सूचक गुब्बारा वेधशालाओं ने इस प्रणाली के माध्यम से डेटा भेजना शुरू किया है।

• **कृषि-मौसम परामर्शी सेवाएं (एएएस)** बुलेटिन पीपीपी मोड के तहत और किसान पोर्टल के माध्यम से 40.2 मिलियन किसानों को प्रसारित की जाती हैं।

पूर्वानुमान सटीकता में सुधार

• पिछले 5 वर्षों के दौरान गंभीर मौसम की घटनाओं की **पूर्वानुमान सटीकता** में 15 से 35% तक का महत्वपूर्ण सुधार हुआ।

- 2002 से 2018 की तुलना में 2019 के लिए ऑल इंडिया गंभीर मौसम पूर्वानुमान (24 घंटे) के कौशल में सुधार हुआ है। 2019 के लिए डिटेक्शन (POD) की संभावना क्रमशः 74%, 92%, 85% और 85% भारी वर्षा, हीटवेव, और शीत लहरों के लिए थी ।

- वार्षिक औसत ट्रैक पूर्वानुमान त्रुटियां 24, 48 और 72 घंटों के लिए 2019 में क्रमश: 86, 132 और 177 उसी प्रकार 2014-18 के दौरान औसत पूर्वानुमान त्रुटियों की तुलना में 69, 104 और 149 किमी हो गई हैं, इसी तरह, 2019 में ट्रैक पूर्वानुमान कौशल में भी काफी सुधार हुआ है और 2014, 2018 की अवधि के दौरान 58, 70 और 74% के औसत के की तुलना में 24, 48 और 72 घंटों के लिए 68, 79 और 77% थी ।

पुरस्कार और प्रशंसा

• **नेशनल जियोग्राफिक चैनल** ने 7 अक्टूबर, 2019 को 'द मेगा साइक्लोन (फानी) पर एक कहानी प्रसारित की, जिसमें **फानी** के लिए शुरुआती चेतावनी सेवाओं में IMD की भूमिका पर प्रकाश डाला गया।

• चक्रवात FANI की निगरानी के पिन प्वाइंट सटीकता से प्रभावित होकर, प्रिंस चार्ल्स ने 13 नवंबर, 2019 को भारत मौसम विज्ञान विभाग, दिल्ली का दौरा किया। डॉ. एम. राजीवन, सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और डॉ. मृत्युंजय महापात्रा, मौसम विज्ञान के महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हिज रॉयल हाईनेस प्रिंस चार्ल्स का स्वागत किया।

• भारत मौसम विज्ञान विभाग ने **चक्रवात फानी (FANI)** के सटीक पूर्वानुमान के लिए **संयुक्त राष्ट्र और भारत के माननीय राष्ट्रपति से सराहना** मिली है।

• **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की गई अनुकरणीय सेवाओं के लिए गुजरात, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और ओडिशा** राज्य सरकारों से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए।

• 15 अगस्त 2019 को भारत के राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता दिवस पर सटीक पूर्वानुमान प्रदान करने के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग की सराहना की।

• **डॉ. एम. महापात्रा,** महानिदेशक को जय भारत फाउंडेशन द्वारा **भारत गौरव अवार्ड, 2019** से सम्मानित किया गया और आपदा प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें **ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री** द्वारा सम्मानित किया गया।

• 2019 में **डॉ. महापात्र** महानिदेशक, आईएमडी को **आईएमएस एंड इंडियन क्लाइमेट कांग्रेस की फैलोशिप** से सम्मानित किया गया।

• **डॉ. मृत्युंजय महापात्र,** महानिदेशक, आईएमडी को 2019-2023 के लिए **विश्व मौसम संगठन की कार्यकारी परिषद के सदस्य** के रूप में चुना गया है।

• **इंडियन मीटियोरोलॉजिकल सोसाइटी (IMS) ने मौसम और जलवायु सेवाएं में 2019 में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए श्री एच. आर. बिस्वास को सम्मानित किया।**